

اللغة الهندية
(हिन्दी भाषामे)

هيا بنا نتعلم

بقلم الفقير إلى عفوره

هَيْثَمُ بْنُ مُحَمَّدٍ سَرْحَانُ

المدرس بمعهد الحرم بالمسجد النبوي - سابقا -

लेखक

हैसम बिन मुहम्मद सरहान



أَعُوذُ بِاللَّهِ مِنَ الشَّيْطَانِ الرَّجِيمِ
بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

﴿الْحَمْدُ لِلَّهِ رَبِّ الْعَالَمِينَ ① الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ ② مَلِكِ يَوْمِ الدِّينِ ③
إِيَّاكَ نَعْبُدُ وَإِيَّاكَ نَسْتَعِينُ ④ أَهْدِنَا الصِّرَاطَ الْمُسْتَقِيمَ ⑤
صِرَاطَ الَّذِينَ أَنْعَمْتَ عَلَيْهِمْ ⑥ غَيْرِ الْمَغْضُوبِ عَلَيْهِمْ وَلَا الضَّالِّينَ ⑦﴾

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

﴿قُلْ هُوَ اللَّهُ أَحَدٌ ① اللَّهُ الصَّمَدُ ② لَمْ يَلِدْ وَلَمْ يُولَدْ ③
وَلَمْ يَكُنْ لَهُ كُفُوًا أَحَدٌ ④﴾

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

﴿قُلْ أَعُوذُ بِرَبِّ الْفَلَقِ ① مِنْ شَرِّ مَا خَلَقَ ② وَمِنْ شَرِّ غَاسِقٍ إِذَا وَقَبَ ③
وَمِنْ شَرِّ النَّفَّاثَاتِ فِي الْعُقَدِ ④ وَمِنْ شَرِّ حَاسِدٍ إِذَا حَسَدَ ⑤﴾

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

﴿قُلْ أَعُوذُ بِرَبِّ النَّاسِ ① مَلِكِ النَّاسِ ② إِلَهِ النَّاسِ ③
مِنْ شَرِّ الْوَسْوَاسِ الْخَنَّاسِ ④ الَّذِي يُوَسْوِسُ فِي صُدُورِ النَّاسِ ⑤
مِنَ الْجِنَّةِ وَالنَّاسِ ⑥﴾

مَا يَجِبُ عَلَى الْمُسْلِمِ مَعْرِفَتُهُ:

जिस का ज्ञान अर्जित करना मुसलमान के ऊपर वाजिब है



مَنْ رَبُّكَ؟

तेरा रब कौन है?

رَبِّيَ اللَّهُ عَزَّ وَجَلَّ

मेरा रब अल्लाह तआला है



مَا دِينُكَ؟

तुम्हारा दीन (धर्म) क्या है?

دِينِي الْإِسْلَامُ

मेरा दीन इस्लाम है



مَنْ نَبِيِّكَ؟

तुम्हारा नबी कौन है?

نَبِيِّ مُحَمَّدٍ ﷺ

मेरे नबी मुहम्मद ﷺ हैं

أَقْرَأُ وَالْوَنُ:

रंग भरें

الله ربي

अल्लाह मेरा रब (पालनहार) है

الإسلام ديني

इस्लाम मेरा दीन (धर्म) है

محمد صلى الله عليه وسلم نبي

मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लाम
मेरे नबी हैं

اَكْتُبْ عَلَى الْخُرُوفِ الْمُنْقَطَةِ:

डट लाई अक्षरहरूमा लेख्नुहोस् :

رَبِّيَ اللَّهُ عَزَّ وَجَلَّ

دِينِي الْإِسْلَامَ

نَبِي مُحَمَّد صَلَّى اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ

मेरा रब अल्लाह है

मेरा दीन इसलाम है

मेरे नबी मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम हैं

أَجِيبْ بِالْكِتَابَةِ عَلَى الْخُرُوفِ الْمُنْقَطَةِ:

लिखित जवाफ दिनुहोस्:

مَنْ رَبُّكَ؟ رَبِّيَ اللَّهُ عَزَّ وَجَلَّ

مَا دِينُكَ؟ دِينِي الْإِسْلَامَ

مَنْ نَبِيُّكَ؟ نَبِي مُحَمَّد صَلَّى اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ

तुम्हारा रब कौन है? मेरा रब अल्लाह है

तुम्हार दीन क्या है? मेरा दीन इसलाम है

तुम्हारे नबी कौन हैं? मेरे नबी मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम हैं

أَصْلُ الْكَلِمَةِ بِالْمَعْنَى الصَّحِيحِ:

जोड़ें

तेरा रब
कौन है?

मेरा दीन
इस्लाम है

دِينِي الْإِسْلَامُ

مَنْ رَبُّكَ؟

तुम्हारा दीन
(धर्म) क्या है?

मेरे नबी मुहम्मद सल्लल्लाहु
अलैहि व सल्लम हैं

نَبِيِّ مُحَمَّدٍ ﷺ

مَا دِينُكَ؟

तुम्हारा
नबी कौन है?

मेरा रब अल्लाह
तआला है

رَبِّي اللَّهُ عَزَّوَجَلَّ

مَنْ نَبِيُّكَ؟

أَرْتَبُ الْكَلِمَاتِ الْآتِيَةَ:

क्रमबद्ध करें

رَبِّي اللَّهُ

رَبُّكَ؟

مَنْ

عَزَّوَجَلَّ

دِينِي

مَا

دِينُكَ؟

الْإِسْلَامُ

مَنْ

نَبِيُّكَ؟

نَبِي

مُحَمَّدٌ ﷺ

तआला है

कौन है?

तेरा रब

मेरा रब
अल्लाह

इस्लाम

तेरा दीन

क्या है?

मेरा दीन

मुहम्मद सल्लल्लाहु
अलैहि व सल्लम हैं

मेरे नबी

तेरा नबी

कौन है?

اللّٰه خالق كل شيء

अल्लाह तआला ने हरेक चीज को पैदा किया है।



مَنْ خلقني؟

मुझे किसने पैदा किया है ?

अल्लाह ने । الله



مَنْ خلق الناس؟

समस्त मानव को किसने पैदा किया है ?

अल्लाह ने । الله



مَنْ خلق السماوات والأرض
والشمس والقمر؟

आकाश, धरा तथा सूर्य एवं चंद्रमा
को किसने पैदा किया है ?

अल्लाह ने । الله



مَنْ خلق الحيوانات والطيور؟

पशु पक्षियों को किसने पैदा किया है ?

अल्लाह ने । الله

أَقْرَأْ وَأَلْوَنُ:

रंग भरें :

مَنْ خَلَقَنِي؟ اللَّهُ

مَنْ خَلَقَ النَّاسَ؟ اللَّهُ

مَنْ خَلَقَ السَّمَاوَاتِ وَالْأَرْضَ

وَالشَّمْسَ وَالْقَمَرَ؟ اللَّهُ

مَنْ خَلَقَ الْحَيَوَانَاتِ وَالطَّيْرَ؟ اللَّهُ

मुझे किसने पैदा किया है ? अल्लाह ने
लोगों को किसने पैदा किया है ? अल्लाह ने

आकाश, धरा तथा सूर्य एवं चंद्रमा को

किसने पैदा किया है ? अल्लाह ने

पशु पक्षियों को किसने पैदा किया है ? अल्लाह ने ।

اَكْتُبْ عَلَى الْخُرُوفِ الْمُنْقَطَةِ:
लिखें

مَنْ خَلَقَنِي؟ اللَّهُ. مَنْ خَلَقَ النَّاسَ؟ اللَّهُ.
مَنْ خَلَقَ السَّمَاوَاتِ وَالْأَرْضَ، وَالشَّمْسَ وَالْقَمَرَ؟ اللَّهُ.
مَنْ خَلَقَ الْحَيَوَانَاتِ وَالطَّيُورَ؟ اللَّهُ.

मुझे किसने पैदा किया है ? अल्लाह ने
लोगों को किसने पैदा किया है ? अल्लाह ने
आकाश, धरा तथा सूर्य एवं चंद्रमा को किसने पैदा किया है ? अल्लाह ने
पशु पक्षियों को किसने पैदा किया है ? अल्लाह ने

أَجِبْ بِالْكِتَابَةِ عَلَى الْخُرُوفِ الْمُنْقَطَةِ:
जोड़ें

مَنْ خَلَقَنِي؟ اللَّهُ
مَنْ خَلَقَ النَّاسَ؟ اللَّهُ
مَنْ خَلَقَ السَّمَاوَاتِ وَالْأَرْضَ وَالشَّمْسَ وَالْقَمَرَ؟ اللَّهُ
مَنْ خَلَقَ الْحَيَوَانَاتِ وَالطَّيُورَ؟ اللَّهُ

मुझे किसने पैदा किया है ? अल्लाह ने
लोगों को किसने पैदा किया है ? अल्लाह ने
आकाश, धरा तथा सूर्य एवं चंद्रमा को किसने पैदा किया है ? अल्लाह ने
पशु पक्षियों को किसने पैदा किया है ? अल्लाह ने

أَصْلُ الْكَلِمَةِ بِالْمَعْنَى الصَّحِيحِ:

اللّٰه	لأنني مسلم	الله	لأنني مسلم
ألّٰه	إلا الله	ألّٰه	إلا الله
لا خالق	الله	لا خالق	الله
أطيع الله الذي خلقني	خالق كل شيء	أطيع الله الذي خلقني	خالق كل شيء

أَرْتَبُ الْكَلِمَاتِ الْآتِيَةَ: क्रमबद्ध करें

الله	شيء	كل	خالق
پیدا کرنے والا	हर एक	चीज	अल्लाह



اللَّهُ يَرْزُقُنِي

अल्लाह तआला मुझे रिज़्क देता है



اللَّهُ يَرْزُقُنِي وَيَرْزُقُ جَمِيعَ الْمَخْلُوقَاتِ

अल्लाह तआला मुझे तथा समस्त प्राणियों को रिज़्क (जीविका) देता है



اللَّهُ يَرْزُقُ النَّاسَ

अल्लाह तआला सभी लोगों को रिज़्क देता है



اللَّهُ يَرْزُقُ الْحَيَوَانَ وَالطَّيْرَ

अल्लाह तआला पशु पक्षियों को रिज़्क देता है

أَقْرَأُ وَأَلْوَنُ :
ਪੜ੍ਹਨੁਹੋਸ ਰ ਰੰਗ ਭਰਨੁਹੋਸ :

اللَّهُ يَرْزُقُنِي
وَيَرْزُقُ جَمِيعَ الْمَخْلُوقَاتِ
اللَّهُ يَرْزُقُ النَّاسَ
اللَّهُ يَرْزُقُ الْحَيَوَانَ وَالطَّيْرَ

ਅਲਲਾਹੁ ਤਅਾਲਾ ਮੁझे ਰਿਜ਼੍ਕੁ ਦੇਤਾ ਹੈ
ਅਲਲਾਹੁ ਤਅਾਲਾ ਮੁझे ਤਥਾ ਸਮਸਤ ਪ੍ਰਾਣਿਯੋਂ
ਕੋ ਰਿਜ਼੍ਕੁ (ਜੀਵਿਕਾ) ਦੇਤਾ ਹੈ
ਅਲਲਾਹੁ ਤਅਾਲਾ ਸਭੀ ਲੋਗੋਂ ਕੋ ਰਿਜ਼੍ਕੁ ਦੇਤਾ ਹੈ
ਅਲਲਾਹੁ ਤਅਾਲਾ ਪਸ਼ੁ ਪਦਮਿਯੋਂ ਕੋ ਰਿਜ਼੍ਕੁ ਦੇਤਾ ਹੈ

اَكْتُبْ عَلَى الْخُرُوفِ الْمُنْقَطَةِ:

डटलाई अक्षरमा लेख्नुहोस्:

اللَّهُ يَرْزُقُنِي وَيَرْزُقُ جَمِيعَ الْمَخْلُوقَاتِ
اللَّهُ يَرْزُقُنِي - اللَّهُ يَرْزُقُ النَّاسَ
اللَّهُ يَرْزُقُ الْحَيَوَانَ وَالطَّيْرَ

अल्लाह तआला मुझे तथा समस्त प्राणियों को रिज्क (जीविका) देता है
अल्लाह तआला मुझे रिज्क देता है
अल्लाह तआला सभी लोगों को रिज्क देता है
अल्लाह तआला पशु पक्षियों को रिज्क देता है

أَجِبْ بِالْكِتَابَةِ عَلَى الْخُرُوفِ الْمُنْقَطَةِ:

लिखित जवाब दिनुहोस्

مَنْ يَرْزُقُنِي وَيَرْزُقُ جَمِيعَ الْمَخْلُوقَاتِ؟ اللَّهُ

مَنْ يَرْزُقُنِي؟ اللَّهُ

مَنْ يَرْزُقُ الْحَيَوَانَ وَالطَّيْرَ؟ اللَّهُ

مَنْ يَرْزُقُ النَّاسَ؟ اللَّهُ

मुझे तथा समस्त प्राणियों को रिज्क कौन देता है ? अल्लाह

मुझे रिज्क कौन देता है ? अल्लाह

पशु पक्षियों को रिज्क कौन देता है ? अल्लाह

समस्त लोगों को रिज्क कौन देता है ? अल्लाह

أَصْلُ الْكَلِمَةِ بِالْمَعْنَى الصَّحِيحِ:

सहि अर्थ संग शब्द जोड़नुहोस :

अल्लाह ही

केवल
अल्लाह है

هو الله

الله

रज्जाक अर्थात
रिज्क देने वाला

अपने भोजन की
खोज में लगे रहते हैं

تسعى في البحث
عن طعامها

الرَّزَّاقُ

सभी प्राणी

मुझे तथा समस्त
प्राणियों को रिज्क देता है

يَرْزُقُنِي وَيَرْزُقُ
جميع المخلوقات

المخلوقات

أَرْتَبُ الْكَلِمَاتِ الْآتِيَةَ:

निम्न शब्दहरूको अर्डर मिलाउनुहोस:

يَرْزُقُ

الْحَيَوَانَ

وَالطَّيْرِ

الله

يَرْزُقُنِي

جميع

المخلوقات

وَيَرْزُقُ

الله

अल्लाह

पक्षियों को

पशु

रिज्क देता है

अल्लाह

रिज्क देता है

प्राणी को

समस्त

मुझे रिज्क
देता है

إنه الله

निःसंदेह वह अल्लाह ही है



اللَّهُ الَّذِي يُنْزِلُ الْمَطَرَ مِنَ السَّمَاءِ
अल्लाह ही है जो आसमान
से पानी बरसाता है ।



اللَّهُ الَّذِي يُنْبِتُ الزَّرْعَ وَالْأَشْجَارَ
अल्लाह ही है जो फसलें तथा पेड़
पौधे उगाता है ।



أَقُولُ عِنْدَ نَزُولِ الْمَطَرِ: (اللَّهُمَّ صَيِّبًا نَافِعًا)
वर्षा के समय हमें यह दुआ पढ़नी चाहिए:
(अल्लाहुम्मा सैय्यिबन नाफिअन)



وَبَعْدَ نَزُولِ الْمَطَرِ أَقُولُ
(مُطَرِّنَا بِفَضْلِ اللَّهِ وَرَحْمَتِهِ)
वर्षा हो जाने पश्चात हम यह दुआ पढ़ें:
(मुतरिना बिफजलिल्लाहि व रहमतहि)

أَقْرَأْ وَأَلُوْنُ:

اللّٰهُ الَّذِي يُنْزِلُ الْمَطَرَ مِنَ السَّمَاءِ
اللّٰهُ الَّذِي يُنْبِتُ الزَّرْعَ وَالْأَشْجَارَ
أَقُولُ عِنْدَ نَزُولِ الْمَطَرِ: (اللّٰهُمَّ صَيِّبًا نَافِعًا)
وَبَعْدَ نَزُولِ الْمَطَرِ أَقُولُ (مُطَرِّنَا بِفَضْلِ اللّٰهِ وَرَحْمَتِهِ)

अल्लाह ही है जो आसमान से पानी बरसाता है ।
अल्लाह ही है जो फसलों तथा पेड़ - पौधे उगाता है ।
वर्षा के समय हमें यह दुआ पढ़नी चाहिए:

(अल्लाहुम्मा सैय्यिबन नाफिअन)

वर्षा हो जाने पश्चात हम यह दुआ पढ़ें:
(मुदरिना बिफजलिल्लाहि व रहमतहि)

اَكْتُبْ عَلَى الْخُرُوفِ الْمُنْقَطَةِ:

اللَّهُ الَّذِي يُنْزِلُ الْمَطَرَ مِنَ السَّمَاءِ
اللَّهُ الَّذِي يُنْبِتُ الزَّرْعَ وَالْأَشْجَارَ

अल्लाह ही है जो आसमान से पानी बरसाता है ।

अल्लाह ही है जो फसलें तथा पेड़ - पौधे उगाता है ।

أَجِيبْ بِالْكِتَابَةِ عَلَى الْخُرُوفِ الْمُنْقَطَةِ:

مَنْ الَّذِي يُنْزِلُ الْمَطَرَ مِنَ السَّمَاءِ؟ اللَّهُ مَنْ الَّذِي يُنْبِتُ الزَّرْعَ وَالْأَشْجَارَ؟ اللَّهُ

कौन है जो आसमान से पानी बरसाता है । अल्लाह

कौन है जो फसलें तथा पेड़ - पौधे उगाता है । अल्लाह

ارْتَبِ الْكَلِمَاتِ الْآتِيَةَ:

اللَّهُ	مِنَ السَّمَاءِ	الْمَطَرَ	يُنْزِلُ	الَّذِي	
اللَّهُ	وَالْأَشْجَارَ	يُنْبِتُ	الَّذِي	الزَّرْعَ	
जो	बरसाता है	पानी	आसमान से	अल्लाह	
फसलें	जो	उगाता है	तथा पेड़ पौधे	अल्लाह	

اللَّهُ الْمُنْعِمُ

अल्लाह नेमत (नियामत) देने वाला है



اللَّهُ الَّذِي أَنْعَمَ عَلَيْنَا بِالسَّمْعِ وَالْبَصَرِ

अल्लाह ही है जिसने हमें आँख तथा कान जैसी नेमत दी है



اللَّهُ الَّذِي أَنْعَمَ عَلَيْنَا بِالطَّعَامِ وَالشَّرَابِ

अल्लाह ही है जो हमें खिलाता पिलाता है



أَقُولُ بَعْدَ تَنَاوُلِ الطَّعَامِ وَالشَّرَابِ
الْحَمْدُ لِلَّهِ، وَقَبْلَهُ أَقُولُ بِسْمِ اللَّهِ

खाने तथा पीने के पूर्व हमें बिस्मिल्लाह तथा खाने एवं पीने के पश्चात अलहम्दुलिल्लाह कहना चाहिए



نِعْمُ اللَّهُ عَلَيْنَا كَثِيرَةً

अल्लाह ने हमें बहुतेरी नेमतें दी हैं

أَشْكُرُ اللَّهَ عَلَى نِعَمِهِ الْكَثِيرَةِ

अल्लाह की उन बहुतेरी नेमतों पर हम उसका शुक्र अदा करते हैं

أَقْرَأْ وَأَلُوْنُ:

اللَّهُ الَّذِي أَنْعَمَ عَلَيْنَا بِالسَّمْعِ وَالْبَصَرِ
اللَّهُ الَّذِي أَنْعَمَ عَلَيْنَا بِالطَّعَامِ وَالشَّرَابِ
نُعَمُّ لِلَّهِ عَلَيْنَا كَثِيرَةً... أَشْكُرُ اللَّهَ عَلَى
نِعَمِهِ الْكَثِيرَةِ أَقُولُ بَعْدَ تَنَاوُلِ الطَّعَامِ
وَالشَّرَابِ، الْحَمْدُ لِلَّهِ، وَقَبْلَهُ أَقُولُ بِسْمِ اللَّهِ

अल्लाह ही है जिसने हमें आँख तथा कान जैसी नेमत दी है
अल्लाह ही है जो हमें खिलाता पिलाता है
अल्लाह ने हमें बहुतेरी नेमतें दी हैं
अल्लाह की उन बहुतेरी नेमतों पर हम उसका शुक्र अदा करते हैं
खाने तथा पीने के पूर्व हमें बिस्मिल्लाह तथा खाने
एवं पीने के पश्चात अलहमदुलिल्लाह कहना चाहिए

اَكْتُبْ عَلَى الْحُرُوفِ الْمُنْقَطَةِ:

اللَّهُ الَّذِي أَنْعَمَ عَلَيْنَا بِالسَّمْعِ وَالْبَصَرِ اللَّهُ الَّذِي أَنْعَمَ عَلَيْنَا بِالطَّعَامِ
وَالشَّرَابِ نِعْمَ اللَّهُ عَلَيْنَا كَثِيرَةً أَشْكُرُ اللَّهَ عَلَى نِعَمِهِ الْكَثِيرَةِ
أَقُولُ بَعْدَ تَنَاوُلِ الطَّعَامِ وَالشَّرَابِ، الْحَمْدُ لِلَّهِ، وَقَبْلَهُ أَقُولُ بِسْمِ اللَّهِ

अल्लाह ही है जिसने हमें आँख तथा कान जैसी नेमत दी है
अल्लाह ही है जो हमें खिलाता पिलाता है
अल्लाह ने हमें बहुतेरी नेमतें दी हैं
अल्लाह की उन बहुतेरी नेमतों पर हम उसका शुक्र अदा करते हैं
खाने तथा पीने के पूर्व हमें बिस्मिल्लाह तथा खाने एवं पीने के पश्चात अलहमदुलिल्लाह कहना चाहिए

أَصْلُ الْكَلِمَةِ بِالْمَعْنَى الصَّحِيحِ

अल्लाह ही है
जिसने हमें

बिस्मिल्लाह
कहना चाहिए

بِسْمِ اللَّهِ

اللَّهُ الَّذِي
أَنْعَمَ عَلَيْنَا

अल्लाह
ने हमें

आँख कान तथा खाने
पीने जैसी नेमतें दी हैं

بِالسَّمْعِ وَالْبَصَرِ
وَالطَّعَامِ وَالشَّرَابِ

نِعْمَ اللَّهُ عَلَيْنَا

खाने तथा पीने
के पूर्व हमें

बहुतेरी
नेमतें दी हैं

كَثِيرَةً

أَقُولُ قَبْلَ تَنَاوُلِ
الطَّعَامِ وَالشَّرَابِ

खाने तथा पीने
के पश्चात हमें

अलहमदुलिल्लाह
कहना चाहिए

الْحَمْدُ لِلَّهِ

أَقُولُ بَعْدَ تَنَاوُلِ
الطَّعَامِ وَالشَّرَابِ

أَحِبُّ وَأَعْبُدُ اللَّهَ

मैं अल्लाह से प्रेम करता हूँ तथा उसी की उपासना करता हूँ



أُحِبُّ اللَّهَ لِأَنَّهُ هُوَ الَّذِي:
هَدَانِي، خَلَقَنِي، رَزَقَنِي، أَنْعَمَ عَلَيَّ

मैं अल्लाह से प्रेम करता हूँ क्योंकि उसी ने मुझे हिदायत दी, मुझे पैदा किया, मुझे रिज्क देता है तथा इसके अलावा और भी दूसरी नेमतें दी हैं



أَعْبُدُ اللَّهَ وَحْدَهُ

मैं केवल एक अल्लाह की उपासना करता हूँ



أَدْعُو اللَّهَ وَحْدَهُ

मैं केवल एक अल्लाह से प्रार्थना करता हूँ



أُصَلِّي لِلَّهِ وَحْدَهُ

मैं केवल एक अल्लाह को प्रसन्न करने के लिए नमाज पढ़ता हूँ

خَلَقَنَا اللَّهُ لِعِبَادَتِهِ

अल्लाह तआला ने हमें अपनी इबादत के लिए पैदा किया है

أَقْرَأْ وَأَلُؤُنْ:

أَحِبُّ اللَّهَ لِأَنَّهُ هُوَ الَّذِي
هَدَانِي، خَلَقَنِي، رَزَقَنِي، أَنْعَمَ عَلَيَّ
أَحِبُّ اللَّهَ وَحْدَهُ - أَدْعُو اللَّهَ وَحْدَهُ
أَصْلِي لِلَّهِ وَحْدَهُ - خَلَقْنَا اللَّهَ لِعِبَادَتِهِ وَحْدَهُ

मैं अल्लाह से प्रेम करता हूँ क्योंकि उसी ने: मुझे हिदायत दी, मुझे पैदा किया, मुझे रिक़्क देता है तथा इसके अलावा और भी दूसरी नेमतें दी हैं
मैं केवल एक अल्लाह की उपासना करता हूँ
मैं केवल एक अल्लाह से प्रार्थना करता हूँ
मैं केवल एक अल्लाह को प्रसन्न करने के लिए नमाज़ पढ़ता हूँ
अल्लाह तआला ने हमें अपनी इबादत के लिए पैदा किया है

اَكْتُبْ عَلَى الْحُرُوفِ الْمُنْقَطَةِ:

أَحِبُّ اللَّهَ لِأَنَّهُ هُوَ الَّذِي

هَدَانِي، خَلَقَنِي، رَزَقَنِي، أَنْعَمَ عَلَيَّ

أَعْبُدُ اللَّهَ وَحْدَهُ - أَدْعُو اللَّهَ وَحْدَهُ

أُصَلِّي لِلَّهِ وَحْدَهُ - خَلَقْنَا لِلَّهِ لِعِبَادَتِهِ وَحْدَهُ

मैं अल्लाह से प्रेम करता हूँ क्योंकि उसी ने: मुझे हिदायत दी, मुझे पैदा किया, मुझे रिज़ूक देता है तथा इसके अलावा और भी दूसरी नेमतें दी हैं

मैं केवल एक अल्लाह की उपासना करता हूँ

मैं केवल एक अल्लाह से प्रार्थना करता हूँ

मैं केवल एक अल्लाह को प्रसन्न करने के लिए नमाज़ पढ़ता हूँ

अल्लाह तआला ने हमें अपनी इबादत के लिए पैदा किया है

أَصْلُ الْكَلِمَةِ بِالْمَعْنَى الصَّحِيحِ

मैं अल्लाह से प्रेम करता हूँ क्योंकि उसी ने:

मुझे हिदायत दी, मुझे पैदा किया, मुझे रिजक देता है तथा इसके अलावा और भी दूसरी नेमतें दी है

هَدَانِي، خَلَقَنِي
رَزَقَنِي، أَنْعَمَ عَلَيَّ

أَحْبُّ إِلَهَ
لَأَنَّهُ هُوَ الَّذِي

उपासना करता हूँ

मैं केवल एक अल्लाह की

وَحْدَهُ

أَعْبُدُ إِلَهَ

अल्लाह तआला ने हमें केवल

अपनी इबादत के लिए पैदा किया है

لِعِبَادَتِهِ

خَلَقَنَا إِلَهَ

أُجِيبُ بِالْكِتَابَةِ عَلَى الْخُرُوفِ الْمُنْقَطَةِ:

مَنْ أَعْبُدُ؟ إِلَهَ

لِمَنْ أَصْلِي؟ أَصْلِي لِلَّهِ وَحْدَهُ

لِمَاذَا خَلَقَنَا اللَّهُ؟ خَلَقَنَا اللَّهُ لِعِبَادَتِهِ وَحْدَهُ

मैं किसकी इबादत करता हूँ ? अल्लाह

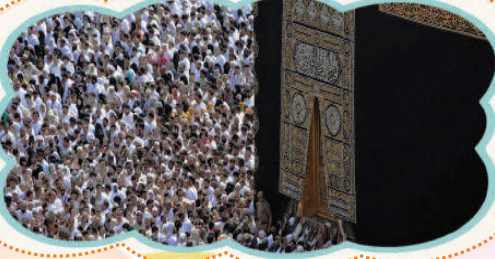
मैं किसके लिए नमाज पढ़ता हूँ ? अल्लाह

अल्लाह तआला ने हमें किस लिए पैदा किया है ? केवल अपनी इबादत के लिए

أَرْكَانُ الْإِسْلَامِ

अरकान -ए- इस्लाम

الشَّاهِدَةُ أَنْ لَا إِلَهَ إِلَّا اللَّهُ
وَأَنَّ مُحَمَّدًا رَسُولُ اللَّهِ



١- شَهَادَةُ أَنْ لَا إِلَهَ إِلَّا اللَّهُ
(مَعْنَاهَا: لَا مَعْبُودَ بِحَقِّ إِلَّا اللَّهُ)
وَأَنَّ مُحَمَّدًا رَسُولُ اللَّهِ

(وَمُقْتَضَاهَا: تَصَدِيقُهُ فِيمَا أَخْبَرَ،
وَطَاعَتُهُ فِيمَا أَمَرَ، وَاجْتِنَابُ مَا نَهَى عَنْهُ
وَزَجْرُ، وَالْأَلَّا يُعْبَدَ اللَّهُ إِلَّا بِمَا شَرَعَ)

ला इलाहा इल्लल्लाह की गवाही देना (इसका अर्थ यह है कि अल्लाह के सिवाय कोई सच्चा उपास्य नहीं है), साथ ही इस बात की भी की गवाही देना कि मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम अल्लाह के रसूल हैं (इसका तकाजा यह है कि: जिस चीज के विषय में आपने सूचना दी है उसमें आप की पुष्टि करना, जिस चीज के करने का आपने आदेश दिया है उस पर अमल करना, जिस को करने से आपने रोका है उससे रुक जाना, तथा केवल आपके बताए हुए ढंग के अनुसार अल्लाह की इबादत करना)।

٢- إِقَامُ الصَّلَاةِ

नमाज पढ़ना

٣- إِيْتَاءُ الزَّكَاةِ

जकात देना

٤- صَوْمُ رَمَضَانَ

रमजान के रोजे रखना

٥- حَجُّ الْبَيْتِ

खाना -ए- काबा का हज करना

أَقْرَأُ وَأَلُونُ:

أَرْكَانُ الْإِسْلَامِ
شَهَادَةُ أَنْ لَا إِلَهَ إِلَّا اللَّهُ
وَأَنَّ مُحَمَّدًا رَسُولُ اللَّهِ
إِقَامُ الصَّلَاةِ - إِيْتَاءُ الزَّكَاةِ
صَوْمُ رَمَضَانَ - حَجُّ الْبَيْتِ

इस्लाम के अरकान:

- १- लाइलाहाइल्लल्लाह मुहम्मदुर्रसूलुल्लाह
सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लमकी गवाही देना
- २- नमाजपढ़ना ३- जकातदेना
- ४- रमजान के रोजे रखना
- ५- खाना - ए- काबाकाहजकरना

اَكْتُبْ عَلَى الْخُرُوفِ الْمُنْقَطَةِ:

أَرْكَانُ الْإِسْلَامِ: شَهَادَةُ أَنْ لَا إِلَهَ إِلَّا اللَّهُ، وَأَنَّ مُحَمَّدًا رَسُولُ اللَّهِ،
إِقَامُ الصَّلَاةِ - إِيْتَاءُ الزَّكَاةِ، صَوْمُ رَمَضَانَ - حَجُّ الْبَيْتِ

इस्लाम के अरकान: १-लाइलाहाइल्लल्लाह मुहम्मदुरसूलुल्लाह
सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लमकी गवाही देना
२-नमाजपढ़ना ३-जकातदेना ४-रमजान के रोजे रखना
५-खाना -ए- काबाकाहजकरना

أَصِلُ الْكَلِمَةَ بِالْمَعْنَى الصَّحِيحِ

شَهَادَةُ أَنْ لَا إِلَهَ إِلَّا اللَّهُ	أَرْكَانُ الْإِسْلَامِ	إِقَامِ	إِيْتَاءِ	صَوْمِ	حَجِّ
وَأَنَّ مُحَمَّدًا رَسُولُ اللَّهِ	الصَّلَاةِ	رَمَضَانَ	الْبَيْتِ	خَمْسَةِ	الزَّكَاةِ
हज	रोजा	देना	पढ़ना	इस्लाम के अरकान	“लाइलाहाइल्लल्लाह” की गवाही देना
जकात	पांच	बैतुल्लाह	रमजान	नमाज	“मुहम्मदुरसूलुल्लाह” सल्लल्लाहुअलैहि वसल्लम की गवाही देना

ارْتَبِ الْكَلِمَاتِ الْآتِيَةَ:

حَجُّ الْبَيْتِ	الشهادتان	إِقَامُ الصَّلَاةِ	إِيْتَاءُ الزَّكَاةِ	صَوْمُ رَمَضَانَ
रमजान के रोजे रखना	जकात देना	नमाज पढ़ना	कलेमा -ए- तौहीद व कलेमा -ए- रिसालत की गवाही देना	हज करना

أَرْكَانُ الْإِسْلَامِ ईमान के अरकान



١- الْإِيمَانُ بِاللَّهِ

9-अल्लाह पर ईमान रखना

٢- الْإِيمَانُ بِالْمَلَائِكَةِ

२-फरिश्तों पर ईमान रखना

٣- الْإِيمَانُ بِالْكِتَابِ

३-किताबों पर ईमान रखना

٤- الْإِيمَانُ بِالرُّسُلِ

४-रसूलों पर ईमान रखना

٥- الْإِيمَانُ بِالْيَوْمِ الْآخِرِ

५-आखिरत के दिन पर ईमान रखना

٦- الْإِيمَانُ بِالْقَدَرِ

६-तकदीर पर ईमान रखना

أَقْرَأْ وَأَلُوْنُ:

أَرْكَانُ الْإِيْمَانِ

الْإِيْمَانُ بِاللّٰهِ - الْإِيْمَانُ بِالْمَلٰٓئِكَةِ

الْإِيْمَانُ بِالْكِتٰبِ - الْإِيْمَانُ بِالرُّسُلِ

الْإِيْمَانُ بِالنُّوْمِ الْآخِرِ - الْإِيْمَانُ بِالْقَدْرِ

ईमान के अरकान

अल्लाह पर ईमान रखना

फरिश्तों पर ईमान रखना

किताबों पर ईमान रखना

रसूलों पर ईमान रखना

आख़रित के दिन पर ईमान रखना

तक्दीर पर ईमान रखना

اَكْتُبْ عَلَى الْحُرُوفِ الْمُنْقَطَةِ:

डट लाई अक्षरहरूमा लेख्नुहोस :

أركان الإيمان

الإيمان بالله - الإيمان بالملائكة - الإيمان بالكتب
الإيمان بالرسل - الإيمان باليوم الآخر - الإيمان بالقدر

ईमान के अरकान

अल्लाह पर ईमान रखना - फरिश्तों पर ईमान रखना
किताबों पर ईमान रखना - रसूलों पर ईमान रखना
आखिरत के दिन पर ईमान रखना - तकदीर पर ईमान रखना

أصل الكلمة بالمعنى الصحيح

अल्लाह पर ईमान रखना

الإيمان بالله

तकदीर पर ईमान रखना

الإيمان بالقدر

आखिरत के दिन पर
ईमान रखना

الإيمان باليوم الآخر

फरिश्तों पर ईमान रखना

الإيمان بالملائكة

किताबों पर ईमान रखना

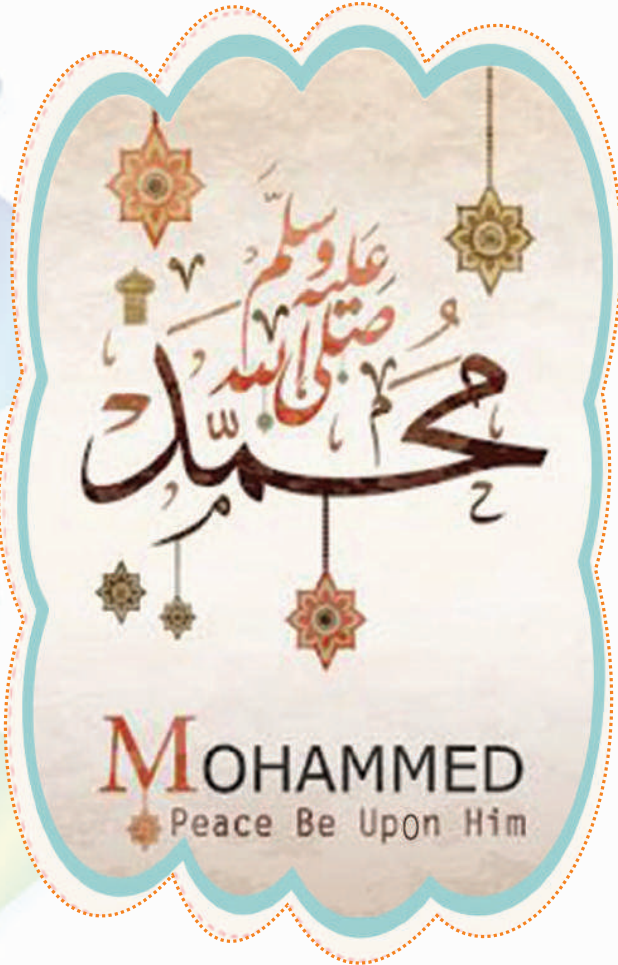
الإيمان بالكتب

रसूलों पर ईमान रखना

الإيمان بالرسل

نَبِيِّ مُحَمَّدٍ ﷺ

मेरे नबी मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम



من ذرية إبراهيم عليه السلام

आप इब्राहीम अलैहिस्सलाम के वंश से हैं

أَنْزَلَ اللَّهُ عَلَى نَبِينَا مُحَمَّدٍ ﷺ الْقُرْآنَ الْكَرِيمَ
अल्लाह ने हमारे नबी मुहम्मद सल्लल्लाहु
अलैहि व सल्लम पर कुरआन उतारा

بشر بنبوته وأمر بإتباعه موسى وعيسى عليهما السلام
आपकी नबूत की शुभ सूचना तथा आपकी पैरवी का
आदेश मूसा एवं ईसा अलैहिस्सलाम ने भी दिया था

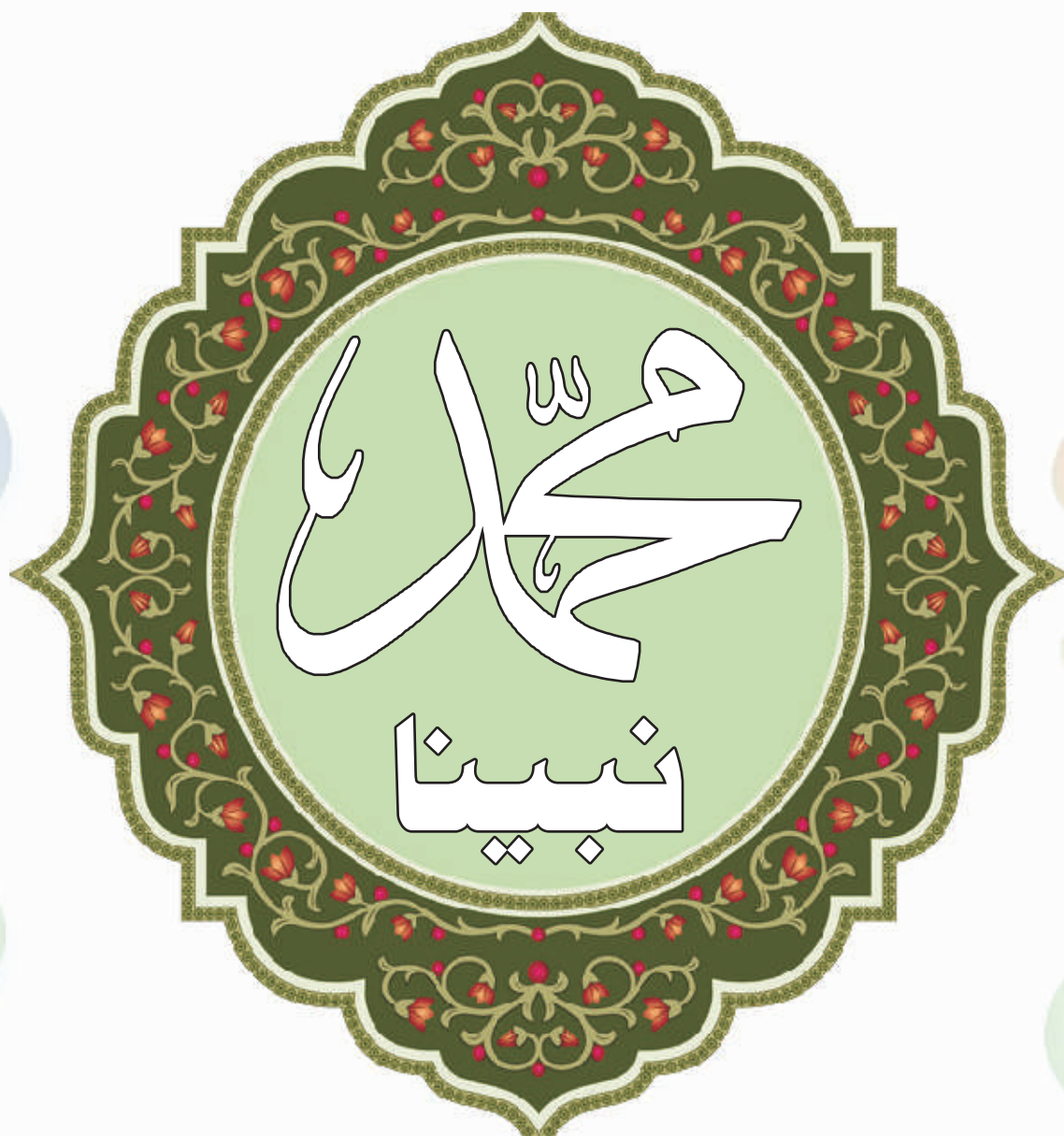
أَرْسَلَ اللَّهُ نَبِينَا مُحَمَّدًا ﷺ إِلَى النَّاسِ جَمِيعًا
अल्लाह ने हमारे नबी मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम
को समस्त लोगों के लिए नबी बना कर भेजा

يَدْعُوهُمْ إِلَى عِبَادَةِ اللَّهِ وَحْدَهُ
नबी सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम लोगों को
तौहीद अपनाने की दावत देते थे

مُحَمَّدٌ ﷺ بَشَرٌ مَخْلُوقٌ لَكِنَّهُ أَفْضَلُ الْبَشَرِ
وَأَخْرَ الْأَنْبِيَاءَ وَالرُّسُلَ
मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम मानव हैं किंतु सबसे
अफजल व महान मानव हैं, एवं अंतिम नबी व रसूल हैं

مَنْ أَطَاعَهُ دَخَلَ الْجَنَّةَ
जिसने नबी सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम
की पैरवी की वह जन्नत में जाएगा

أَحِبُّ نَبِيِّ مُحَمَّدًا ﷺ
मैं अपने नबी से अति प्रेम करता हूँ



صلى الله عليه وعلى آله وسلم

أَقْرَأْ وَأَلُؤُنْ:

مِنْ ذُرِّيَةِ إِبْرَاهِيمَ عَلَيْهِ السَّلَامُ
أَنْزَلَ اللَّهُ عَلَيْهِ الْقُرْآنَ الْكَرِيمَ - بِشَرِّبْنِيهِ
وَأَمْرًا بِاتِّبَاعِهِ مُوسَى وَحِيسَى عَلَيْهِمَا السَّلَامُ
أَرْسَلَهُ اللَّهُ إِلَى النَّاسِ جَمِيعًا - يَذْكُرُهُمْ إِلَى
عِبَادَةِ اللَّهِ وَخُدَّةٍ - أَفْضَلَ الْبَشَرِ وَآخِرَ الْأَنْبِيَاءِ
وَالرُّسُلِ - مَنْ أَطَاعَهُ دَخَلَ الْجَنَّةَ أَحَبُّ نَبِيٍّ مُخَمَّدًا

आप इब्राहीम अलैहिस्सलाम के वंश से हैं
अल्लाह ने हमारे नबी मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम पर कुरआन उतारा
आपकी नबूवत की शुभ सूचना तथा आपकी पैरवी का आदेश मूसा
एवं ईसा अलैहिस्सलाम ने भी दिया था
अल्लाह ने हमारे नबी मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम
को समस्त लोगों के लिए नबी बना कर भेजा
नबी सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम लोगों को तौहीद अपनाने की दावत देते थे
मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम मानव हैं किंतु सबसे
अफजल व महान मानव हैं, एवं अंतिम नबी व रसूल हैं
जिसने नबी सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की पैरवी की वह जन्नत
में जाएगा, मैं अपने नबी से अति प्रेम करता हूँ

اَكْتُبْ عَلَى الْخُرُوفِ الْمُنْقَطَةِ:

نَقُولُ عِنْدَ ذِكْرِ النَّبِيِّ صَلَّى اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ
أَحِبُّ نَبِيِّ مُحَمَّدًا صَلَّى اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ - أَنْزَلَ اللَّهُ عَلَيْهَا الْقُرْآنَ الْكَرِيمَ

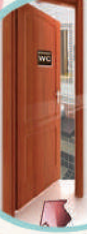
नबी का जिक्र करते समय हमसल्लल्लाहुअलैहि व सल्लमकहते हैं
मैं अपने नबी मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम सेप्रेम करता हूँ
अल्लाह तआला ने उन के ऊपरकुरआन-करीम नाजिल फरमाया

أَصْلُ الْكَلِمَةِ بِالْمَعْنَى الصَّحِيحِ

मेरे नबी मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम	आपकी नबूत की शुभ सूचना तथा आपका आज्ञापालन करने का आदेश दिया था	مُوسَى وَعِيسَى عليهما السلام	نَبِيِّ مُحَمَّدًا صَلَّى اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ
अल्लाह तआला ने हमारे नबी मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम पर	केवल एक अल्लाह की उपासना करने की दावत देते थे	عِبَادَةَ اللَّهِ وَحْدَهُ	أَنْزَلَ اللَّهُ عَلَيَّ نَبِيًّا مُحَمَّدًا صَلَّى اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ
मूसा तथा ईसा अलैहिमस्सलाम ने भी	समस्त लोगों के लिए भेजा था	إِلَى النَّاسِ جَمِيعًا	بَشَرٍ بِنَبْوَةٍ وَأَمْرٍ بِاتِّبَاعِهِ
अल्लाह तआला ने हमारे नबी मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम को	कुरआन -ए- करीम नाजिल फरमाया	الْقُرْآنَ الْكَرِيمَ	أَرْسَلَ اللَّهُ نَبِيًّا مُحَمَّدًا صَلَّى اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ
जिसने आप सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम का आज्ञापालन किया	इब्राहीम अलैहिस्सलाम के वंश से हैं	مِنْ ذُرِّيَةِ إِبْرَاهِيمَ عَلَيْهِ السَّلَام	مَنْ أَطَاعَهُ صَلَّى اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ
नबी सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की दावत यह थी कि आप: लोगों को	सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम	صَلَّى اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ	دَعْوَتَهُ صَلَّى اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ: يَدْعُو النَّاسَ إِلَى
नबी के जिक्र के समय हम कहते हैं	वह जन्नत में प्रवेश पाएगा	دَخَلَ الْجَنَّةَ	نَقُولُ عِنْدَ ذِكْرِ النَّبِيِّ

الطَّهَارَةُ

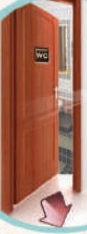
तहारत अर्थात पाकी व पवित्रता



بِسْمِ اللَّهِ
Bismillah

أَقُولُ قَبْلَ دُخُولِ الْحَمَامِ: بِسْمِ اللَّهِ

शौचालय जाने के पूर्व मैं :
बिस्मिल्लाह कहता हूँ



غُفْرَانُكَ
Ghufranak

وَأَقُولُ بَعْدَ الْخُرُوجِ: غُفْرَانُكَ

शौचालय से निकलने के पश्चात मैं :
गुफरानका कहता हूँ



أَنْظِفُ مَخْرَجَ الْبَوْلِ وَالْغَائِطِ بِالْمَاءِ
أَوْ بِمَنْدِيلِ بِيَدِي الْيُسْرَى

मल-मूत्र वाले स्थान को मैं पानी अथवा मिट्टी
अथवा टिशू पेपर से बाएं हाथ से साफ करता हूँ



أَنْظِفُ ثِيَابِي كُلَّمَا اتَّسَخَتْ

जब भी मेरा वस्त्र गंदा होता है
मैं उसे साफ कर लेता हूँ



أَقْلِمُ أَظْفَارِي كُلَّمَا طَالَتْ

जब भी मेरा नाखून बढ़
जाए मैं उसे काट लेता हूँ

أَصْلُ الْكَلِمَةِ بِالْمَعْنَى الصَّحِيحِ

بِالْمَاءِ أَوْ بِمَنْدِيلٍ
بِيَدِي الْيُسْرَى

غُفْرَانَكَ

طَالَتْ

اتَّسَخَتْ

بِسْمِ اللَّهِ

जब भी मेरा नाखून
बढ़ जाए तो

जब भी मेरा वस्त्र
गंदा होता है तो

शौचालय जाने के पूर्व मैं

शौचालय से निकलने
के पश्चात मैं

मल-मूत्र वाले स्थान को मैं

أَقْلَمُ أَظْفَارِي كُلَّمَا

أَنْظَفُ ثِيَابِي كُلَّمَا

أَقُولُ قَبْلَ دُخُولِ الْحَمَامِ:

وَأَقُولُ بَعْدَ الْخُرُوجِ

أَنْظِفُ مَخْرَجَ
الْبَوْلِ وَالْغَائِطِ

पानी अथवा मिट्टी अथवा टिशू पेपर
से बाएं हाथ से साफ करता हूँ

गुफरानका कहता हूँ

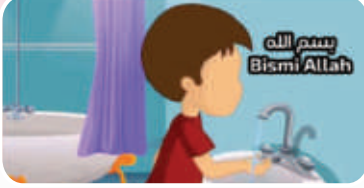
मैं उसे काट लेता हूँ

मैं उसे साफ कर लेता हूँ

बिस्मिल्लाह कहता हूँ

صفة الوُضوء

बुजू का तरीका व ढंग



أَقُولُ بِسْمِ اللَّهِ

मैं बिरिमल्लाह कहता हूँ

أَغْسِلُ كَفَيَّ ثَلَاثَ مَرَّاتٍ

मैं अपनी हथेली को तीन बार धोता हूँ



أَتَمَضْمَضُ وَأُسْتَنْشِقُ ثَلَاثَ مَرَّاتٍ

मैं तीन बार कुल्ला करता हूँ तथा नाक में पानी डाल कर नाक झाड़ता हूँ

أَغْسِلُ وَجْهِي ثَلَاثَ مَرَّاتٍ

मैं अपने चेहरे को तीन बार धोता हूँ



أَغْسِلُ يَدَيَّ مِنْ أَطْرَافِ الْأَصَابِعِ إِلَى الْمِرْفَقَيْنِ ثَلَاثَ مَرَّاتٍ

मैं अपने हाथ को उँगली से ले कर कोहनी तक तीन बार धोता हूँ

أُمْسَحُ رَأْسِي مَعَ أُذُنَيَّ مَرَّةً وَاحِدَةً

मैं अपने सिर का कान सहित एक बार मसह करता हूँ



أَغْسِلُ رِجْلَيَّ إِلَى الْكَعْبَيْنِ ثَلَاثَ مَرَّاتٍ

मैं अपने पाँव को टखना तक तीन बार धोता हूँ

أَصْلُ الْكَلِمَةِ بِالْمَعْنَى الصَّحِيحِ

أَغْسِلُ رِجْلِي إِلَى الْكَعْبَيْنِ ثَلَاثَ مَرَّاتٍ	١
أَمْسَحُ رَأْسِي مَعَ أُذُنِي مَرَّةً وَاحِدَةً	٢
أَغْسِلُ وَجْهِي ثَلَاثَ مَرَّاتٍ	٣
أَقُولُ بِسْمِ اللَّهِ	٤
أَتَمَضْمَضُ وَأَسْتَنْشِقُ ثَلَاثَ مَرَّاتٍ	٥
أَغْسِلُ كَفَّيَّ ثَلَاثَ مَرَّاتٍ	٦
أَغْسِلُ يَدَيَّ مِنْ أَطْرَافِ الْأَصَابِعِ إِلَى الْمِرْفَقَيْنِ ثَلَاثَ مَرَّاتٍ	٧

٩	مैं अपने पाँव को टखना तक तीन बार धोता हूँ
२	मैं अपने सिर का कान सहित एक बार मस्ह करता हूँ
३	मैं अपने चेहरे को तीन बार धोता हूँ
४	मैं बिरिमल्लाह कहता हूँ
५	मैं तीन बार कुल्ला करता हूँ तथा नाक में पानी डाल कर नाक झाड़ता हूँ
६	मैं अपनी हथेली को तीन बार धोता हूँ
७	मैं अपने हाथ को उँगली से ले कर कोहनी तक तीन बार धोता हूँ

نَوَاقِضُ الْوُضُوءِ

वुजू को तोड़ने वाली चीजें



الخارج من السَّبِيلَيْنِ (البول - الغائط - الريح)
अगाड़ी-पछाड़ी से निकले वाली चीजें (पेशाब - पैखाना - पाद)

النَّوْمُ
नींद



أَكْلُ لَحْمِ الْأَبْلِ
उँट का गोश्त खाना

أَصْلُ الْكَلِمَةِ بِالْمَعْنَى الصَّحِيحِ

अगाड़ी पछाड़ी से
निकले वाली चीजें

उँट का

الْأَبْلِ

الخارج من
السَّبِيلَيْنِ

गोश्त खाना

पेशाब-पैखाना-पाद

البول - الغائط
الريح

أَكْلُ لَحْمِ

ارْتَبِ الْأَفْعَالَ التَّالِيَةَ

☐ मैं नमाज पढ़ता हूँ ☐ मैं वुजू करता हूँ ☐ मैं इस्तिंजा करता हूँ ☐ أَسْتَنْجِي ☐ أَتَوَضَّأُ ☐ أَصَلِّي ☐

صفة الغُسل स्नान (नहाने) का तरीका

सर्वप्रथम नहाने तथा नापाकी दूर करने की नीयत करना, तत्पश्चात बिसमिल्लाह कहना, फिर कुल्ला तथा नाक झाड़ने समेत समस्त शरीर पर पानी बहाना और बाल हल्का होअथवा घना उसकी जड़ तक अच्छे से पानी पहुँचाना

أن ينوي الغسل بقلبه، ثمَّ يسمِّي الله تعالى، ثمَّ يعمِّم جميع البدن وما تحت الشعور الخفيفة والكثيفة بالماء مع المضمضة والاستنشاق.

الصَّلَوَاتُ الْمَفْرُوزَةُ फर्ज नमाजें

إلى طلوع الشمس



من طلوع الفجر الثاني



صَلَاةُ الْفَجْرِ، رَكْعَتَانِ.

फज्र की नमाज: दो रकअत है

صَلَاةُ الظُّهْرِ، أَرْبَعُ رَكْعَاتٍ.

जुह की नमाज: चार रकअत है

إلى أن يصير ظل كل شيء مثله



من زوال الشمس



صَلَاةُ الظُّهْرِ، أَرْبَعُ رَكْعَاتٍ.

जुह की नमाज: चार रकअत है

إلى أن يصير ظل كل شيء مثله



من خروج وقت الظهر



صَلَاةُ الْعَصْرِ، أَرْبَعُ رَكْعَاتٍ.

अस्र की नमाज: चार रकअत है

صَلَاةُ الْمَغْرِبِ، ثَلَاثُ رَكْعَاتٍ.

मगरिब की नमाज: तीन रकअत है

إلى أن يغيب الشفق الأحمر



من غروب الشمس



صَلَاةُ الْعِشَاءِ، أَرْبَعُ رَكْعَاتٍ.

इशा की नमाज: चार रकअत है

إلى نصف الليل



مغيب الشفق الأحمر



أَصْلُ الْكَلِمَةِ بِالْمَعْنَى الصَّحِيحِ

फर्ज नमाजें	फज्र	الفجر	الصَّلَاةُ الْمَفْرُوضَةُ
मैं दिन का आरंभ नमाज से करता हूँ	दो रकअत है	رَكْعَتَانِ	أَبْدَأُ كُلَّ يَوْمٍ بِصَلَاةٍ
फज्र की नमाज	तीन रकअत ह	ثَلَاثُ رَكْعَاتٍ	صَلَاةُ الْفَجْرِ
मगरिब की नमाज	चार रकअत है	أَرْبَعُ رَكْعَاتٍ	صَلَاةُ الْمَغْرِبِ
जुह, अस्त्र तथा मगरिब की नमाज	पाँच हैं	خَمْسَةٌ	صَلَاةُ الظُّهْرِ وَالْعَصْرِ وَالْعِشَاءِ

ارْتَبِ الْكَلِمَاتِ الْآتِيَةَ:

☐	जुह की नमाज: चार रकअत है	صَلَاةُ الظُّهْرِ، أَرْبَعُ رَكْعَاتٍ.	☐
☐	मगरिब की नमाज: तीन रकअत है	صَلَاةُ الْمَغْرِبِ، ثَلَاثُ رَكْعَاتٍ.	☐
☐	अस्त्र की नमाज: चार रकअत है	صَلَاةُ الْعَصْرِ، أَرْبَعُ رَكْعَاتٍ.	☐
☐	इशा की नमाज: चार रकअत है	صَلَاةُ الْعِشَاءِ، أَرْبَعُ رَكْعَاتٍ.	☐
☐	फज्र की नमाज: दो रकअत है	صَلَاةُ الْفَجْرِ، رَكْعَتَانِ.	☐

صفة الصلاة नमाज का तरिका





أَسْتَقْبِلُ الْقِبْلَةَ قَائِمًا

मैं क़िब्ला की ओर मुँह करके खड़ा होता हूँ

أَكْبَرُ تَكْبِيرَةَ الْإِحْرَامِ قَائِلًا: (اللَّهُ أَكْبَرُ)

मैं (अल्लाहु अकबर) कहते हुए
तकबीर -ए- तहरीमा कहता हूँ



أَضَعُ يَدَيَّ الْيُمْنَى عَلَى الْيُسْرَى عَلَى صَدْرِي

मैं दाहिने हाथ को बाएं हाथ पर रखते
हुए उसे सीने पर रखता हूँ

أَقْرَأُ دُعَاءَ الْاِسْتِفْتَاَحِ: (سُبْحَانَكَ اللَّهُمَّ وَبِحَمْدِكَ،
وَتَبَارَكَ اسْمُكَ وَتَعَالَى جَدُّكَ، وَلَا إِلَهَ غَيْرُكَ)

मैं दुआ -ए- इस्तिफताह पढ़ता हूँ (सुबहानक अल्लाहुम्मा व
बिहमिदिका, तबारक इस्मुका व तआला जहुका व ला इलाहा गैरुका)





أَقْرَأُ الْفَاتِحَةَ (أَعُوذُ بِاللَّهِ مِنَ الشَّيْطَانِ الرَّجِيمِ)

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ (١) الْحَمْدُ لِلَّهِ رَبِّ الْعَالَمِينَ
 (٢) الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ (٣) مَالِكِ يَوْمِ الدِّينِ (٤) إِيَّاكَ
 نَعْبُدُ وَإِيَّاكَ نَسْتَعِينُ (٥) اهْدِنَا الصِّرَاطَ الْمُسْتَقِيمَ
 (٦) صِرَاطَ الَّذِينَ أَنْعَمْتَ عَلَيْهِمْ غَيْرِ الْمَغْضُوبِ عَلَيْهِمْ
 وَلَا الضَّالِّينَ (٧) - ثم أقول (آمين) ثم أقرأ مما أحفظ من القرآن.

مैं सूरह फातिहा पढ़ता हूँ:

बिस्मिल्ला हिर्रहमानिर्रहीम (१) अल्हम्दु लिल्लाहि
 रब्बिल आलमीन (२) अर्रहमानिर्रहीम (३) मालिकि
 यौमिद्दीन (४) इय्याका न अबुदु व इय्याका न स्तईन
 (५) इहदिनस स्रितल मुस्तकीम (६) स्रितल
 लजीना अनअम्ता अलैहिम गैरिल मगजूबि अलैहिम
 वलज्जाल्लीन (७), फिर उसके बाद कुरआन की
 कोई सूरत या आयत पढ़ता हूँ जो मुझे याद हो

أَقُولُ: (اللَّهُ أَكْبَرُ) وَأَرْكَعُ وَأَقُولُ: (سُبْحَانَ رَبِّيَ الْعَظِيمِ)

६-मैं (अल्लाहु अकबर) कहते हुए रुकूअ करता हूँ
 और रुकूअ में (सुब्हान रब्बिल अजीम) पढ़ता हूँ





أَقُولُ حَالِ رَفْعِي مِنَ الرُّكُوعِ: (سَمِعَ اللَّهُ لِمَنْ حَمِدَهُ)
ثم أَقُولُ وَأَنَا قَائِمٌ: (رَبَّنَا وَلَكَ الْحَمْدُ)
मैं रुकूअ से उठते समय (समिअल्लाहु लिमन हमिदहु) कहता हूँ
खड़े होने के बाद (रब्बना वलकल हम्द) कहता हूँ

أَقُولُ: (اللَّهُ أَكْبَرُ) وَأَسْجُدُ، وَأَقُولُ: (سُبْحَانَ رَبِّيَ الْأَعْلَى)
मैं (अल्लाहु अकबर) कहते हुए सज्दा करता हूँ और
सज्दा में (सुब्हान रब्बियल आला) कहता हूँ



أَعْتَدِلُ قَائِلًا: (اللَّهُ أَكْبَرُ) وَأَجْلِسُ عَلَى قَدَمِي الْيُسْرَى
وَأَنْصِبُ الْيُمْنَى، وَأَقُولُ: (رَبِّ اغْفِرْ لِي)
मैं (अल्लाहु अकबर) कहते हुए एतदाल अर्थात समता के साथ अपने
बाएं पाँव पर बैठ जाता हूँ तथा दाएँ पाँव को खड़ा रखता हूँ, और
दोनों सज्दों के बीच में यह दुआ पढ़ता हूँ (रब्बिगफिरली)

أَقُولُ: (اللَّهُ أَكْبَرُ) وَأَسْجُدُ ثَانِيَةً، وَأَقُولُ: (سُبْحَانَ رَبِّيَ الْأَعْلَى)
मैं (अल्लाहु अकबर) कहते हुए दूसरा सज्दा करता हूँ
तथा सज्दा में यह दुआ पढ़ता हूँ (सुब्हान रब्बियल आला)



أَقُومُ لِلرُّكْعَةِ الثَّانِيَةِ قَائِلًا: (اللَّهُ أَكْبَرُ)،
وَأَفْعَلُ فِيهَا مِثْلَ مَا فَعَلْتُهُ فِي الرُّكْعَةِ الْأُولَى
मैं इसके पश्चात (अल्लाहु अकबर) कहते हुए दूसरी रकअत के लिए खड़ा हो जाता हूँ,
और दूसरी रकअत में उसी प्रकार करता हूँ जिस प्रकार से पहली रकअत में किया था

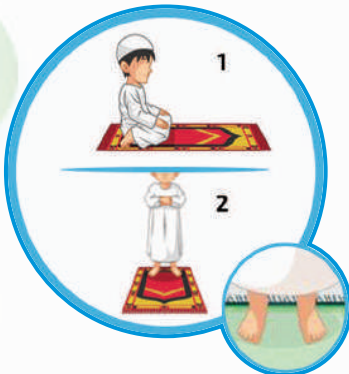


أَجْلِسُ بَعْدَ الرَّكْعَةِ الثَّانِيَةِ لِلتَّشْهِيدِ الْأَوَّلِ، وَأَقُولُ: (التَّحِيَّاتُ لِلَّهِ وَالصَّلَوَاتُ وَالطَّيِّبَاتُ السَّلَامُ عَلَيْكَ أَيُّهَا النَّبِيُّ وَرَحْمَةُ اللَّهِ وَبَرَكَاتُهُ السَّلَامُ عَلَيْنَا وَعَلَى عِبَادِ اللَّهِ الصَّالِحِينَ، أَشْهَدُ أَنْ لَا إِلَهَ إِلَّا اللَّهُ وَأَشْهَدُ أَنَّ مُحَمَّدًا عَبْدُهُ وَرَسُولُهُ).

मैं दूसरी रकअत सम्पूर्ण करने के पश्चात प्रथम तशहूद के लिए बैठता हूँ और यह पढ़ता हूँ (अत्तहीय्यातु लिल्लाहि वस्सलवातु वत्तैयिबातु अस्सलामु अलैका अय्युहन्नबीय्यु व रहमतुल्लाहि व बरकातुहु अस्सलामु अलैना व अला इबादिल्लाहिससालिहीन, अशहदु अल्ला इलाहा इल्लल्लाहु व अशहदु अन्ना मुहम्मदन अब्दुहु व रसूलुहु)

إِنْ كَانَتِ الصَّلَاةُ ثَنَائِيَّةً ذَاتَ رَكَعَتَيْنِ أَقْرَأُ
الصَّلَاةَ الْإِبْرَاهِيمِيَّةَ، ثُمَّ أَسْلَمُ.

नमाज यदि केवल दो रकअत वाली हो तो मैं
दरुद पढ़ कर सलाम फेर देता हूँ



وَإِنْ كَانَتِ الصَّلَاةُ ثَلَاثِيَّةً أَوْ رُبَاعِيَّةً أَقُومُ لِلرَّكْعَةِ الثَّالِثَةِ،
وَأَفْعَلُ فِي بَقِيَّةِ صَلَاتِي مِثْلَ مَا فَعَلْتُهُ فِي الرِّكَعَتَيْنِ
السَّابِقَتَيْنِ وَأَقْتَصِرُ عَلَى قِرَاءَةِ الْفَاتِحَةِ.

किंतु नमाज यदि तीन अथवा चार रकअत वाली हो तो पहले तशहूद के बाद तीसरी रकअत के लिए खड़ा होता हूँ और जिस प्रकार से प्रथम दो रकअत नमाज पढ़ी थी उसी प्रकार से बाकी नमाजें भी पढ़ता हूँ, अलबत्ता इसमें केवल सूरह फातिहा ही पढ़ता हूँ कोई दूसरी सूरत नहीं



أَجْلِسْ فِي آخِرِ صَلَاتِي وَأَقْرَأِ التَّشَهُّدَ الْآخِرَ، وَأَصْلِي عَلَى النَّبِيِّ ﷺ قَائِلًا: (اللَّهُمَّ صَلِّ عَلَى مُحَمَّدٍ وَعَلَى آلِ مُحَمَّدٍ كَمَا صَلَّيْتَ عَلَى آلِ إِبْرَاهِيمَ إِنَّكَ حَمِيدٌ مَجِيدٌ، اللَّهُمَّ بَارِكْ عَلَى مُحَمَّدٍ وَعَلَى آلِ مُحَمَّدٍ كَمَا بَارَكْتَ عَلَى آلِ إِبْرَاهِيمَ إِنَّكَ حَمِيدٌ مَجِيدٌ)

अंतिम रकअत पूर्ण करने के पश्चात मैं तशहहुद के लिए बैठता हूँ और तशहहुद वाली दुआ पढ़ने के पश्चात नबी सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम पर दरुद भेजता हूँ (अल्लाहुम्मा सल्ले अला मुहम्मद व अला आले मुहम्मद कमा सल्लैता अला आले इब्राहीम इन्नका हमीदुम्मजीद, अल्लाहुम्मा बारिक अला मुहम्मद व अला आले मुहम्मद कमा बारकता अला आले इब्राहम इन्नका हमीदुम्मजीद)

أُسَلِّمُ عَنْ يَمِينِي قَائِلًا: (السَّلَامُ عَلَيْكُمْ وَرَحْمَةُ اللَّهِ)
وَعَنْ يَسَارِي قَائِلًا: (السَّلَامُ عَلَيْكُمْ وَرَحْمَةُ اللَّهِ)

मैं यह कहते हुए दाहिनी ओर सलाम फेरता हूँ (अस्सलामु अलैकुम व रहमतुल्लाह) तथा बाएं ओर भी यह कहते हुए सलाम फेरता हूँ ((अस्सलामु अलैकुम व रहमतुल्लाह)



مُبْطَلَاتُ الصَّلَاةِ

नमाज को बातलि अर्थात खराब करने वाली चीजें

बात - चीत करना

खाना - पीना

हँसना

अत्याधिक हिलना - डुलना

वुजू को तोड़ने वाली चीजों (पेशाब-पैखाना-पाद) (انتقاضُ الوُضوءِ (بول - غائط - ريح)

الكلام

الأكلُ أو الشُّرب

الضحك

الحركةُ الكثيرة

أَصْلُ الْكَلِمَةِ بِالْمَعْنَى الصَّحِيحِ

مैं तकबरी -ए- तहरीमा में	(सुब्हान रब्बियल अजीम) कहता हूँ	سُبْحَانَ رَبِّيَ الْعَظِيمِ	أَقُولُ فِي تَكْبِيرَةِ الْإِحْرَامِ
मैं रुकूअ में	(समिअल्लाहु लिमन हमिदहू) कहता हूँ	سَمِعَ اللَّهُ لِمَنْ حَمِدَهُ	أَقُولُ فِي الرُّكُوعِ
मैं सज्दा में	(अल्लाहु अकबर) कहता हूँ	اللَّهُ أَكْبَرُ	أَقُولُ فِي السُّجُودِ
मैं दो सज्दों के बीच में	(सुब्हान रब्बियल आला) कहता हूँ	سُبْحَانَ رَبِّيَ الْأَعْلَى	أَقُولُ بَيْنَ السُّجُودَيْنِ
मैं रुकूअ से उठते समय	(रब्बिगफिरली)	رَبِّ اغْفِرْ لِي	أَقُولُ فِي الرَّفْعِ مِنَ الرُّكُوعِ

दुआ-ए-इस्तिफताह पढ़ी जाएगी	प्रत्येक रकअत में	كل ركعة	يُقرأُ دُعَاءُ الْاِسْتِيفْتَاَحِ فِي الرُّكْعَةِ
सूरह फातिहा पढ़ी जाएगी	दूसरी रकअत के बाद	الثانية	تقرأُ الفاتحة في
प्रथम तशहहुद पढ़ा जाएगा	सबसे अंतिम रकअत के बाद	الأخيرة	التشهد الأول يكون في الركعة
मैं अंतिम तशहहुद पढ़ता हूँ	पहली रकअत में	الأولى	أقرأُ التشهد الأخير بعد الركعة

फज्र की नमाज में			صَلَاةُ الْفَجْرِ
जुह की नमाज में			صَلَاةُ الظُّهْرِ
अस्र की नमाज में	दो तशहहुद हैं	تَشَهُدَانِ	صَلَاةُ الْعَصْرِ
मगरिब की नमाज में	एक तशहहुद है	تشهد واحد	صَلَاةُ الْمَغْرِبِ
इशा की नमाज में			صَلَاةُ الْعِشَاءِ

